Series : OSR/1

कोड नं.
Code No. **61/1/2**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।
Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **10 + 1** मानचित्र है ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **17** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
- Please check that this question paper contains **10** printed pages + **1** Map.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains **17** questions.
- **Please write down the serial number of the question before attempting it.**
- 15 minutes time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

इतिहास

HISTORY

निर्धारित समय : 3 घंटे] *[अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours] *[Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

(i) ***सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिये गए हैं । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं ।*

(ii) ***दो** अंकों वाले प्रश्नों के उत्तर (खण्ड **क** – प्रश्न सं. 1 से 3) 30 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए ।*

(iii) ***पाँच** अंकों वाले प्रश्नों के उत्तर (खण्ड **ख** – अनुभाग **I** से **IV**, प्रश्न सं. 4 से 11) 100 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए । **खण्ड-ब में अनुभाग-IV मूल्य आधारित प्रश्न है ।***

(iv) ***दस** अंकों वाले प्रश्नों के उत्तर (खण्ड **ग**, प्रश्न सं. 12 और 13) 500 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए ।*

(v) *खण्ड **घ** वाले प्रश्न तीन स्रोतों पर आधारित हैं । (आंतरिक विकल्प) (खण्ड **घ**, प्रश्न सं. 14, 15, 16)*

(vi) *मानचित्र को उत्तर-पुस्तिका के साथ संलग्न कीजिए (खण्ड **ङ**, प्रश्न सं. 17.1 और 17.2) ।*

General Instructions :

(i) *Answer* ***all*** *the questions. Some questions have internal choice. Marks are indicated against each question.*

(ii) *Answer to questions carrying* ***2*** *marks (Part – A, 1 to 3) should not exceed* ***30*** *words each.*

(iii) *Answer to questions carrying* ***5*** *marks (Part – B, Section – I to IV, Question Nos. 4 – 11) should not exceed* ***100*** *words each.* ***Part B, Section – IV is a value based question.***

(iv) *Answer to questions carrying* ***10*** *marks* ***(Part C,*** *Questions 12 and 13) should not exceed* ***500*** *words each.*

(v) *Part* ***D*** *questions are based on* ***three*** *sources. (Internal Choice) (Part D, questions 14, 15, 16)*

(vi) *Attach the map with the answer scripts (Part* ***E*** *questions 17.1 and 17.2).*

खण्ड – क

PART – A

निम्नलिखित **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 \times 3 = 6$

Answer **all** the questions given below :

1. ब्रिटिश शासक बम्बई में जाना-पहचाना भूदृश्य बनाने के इच्छुक क्यों थे ? दो कारण दीजिए । 2

   Why were Britishers keen to create the familiar landscape in Bombay ? Give two reasons.

2. कबीर को भक्ति का मार्ग दिखलाने वाले कौन थे ? उनके परम सत्य के विचार का उल्लेख कीजिए । $1 + 1 = 2$

   Who initiated Kabir into Bhakti ? Mention his concept of Ultimate Reality.

3. मौर्य साम्राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । 2

   Mention any two features of the administration system of the Mauryan Empire.

खण्ड – ख

PART – B

अनुभाग – I

SECTION – I

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

Answer any **two** of the following questions :

4. महाभारत को हम एक 'गतिशील ग्रंथ' क्यों कहते हैं ? स्पष्ट कीजिए । 5

   Explain why we call Mahabharata a 'Dynamic Text'.

5. "बुद्ध ने अच्छे आचरण और मूल्यों को महत्त्व दिया ।" इस कथन पर प्रकाश डालते हुए, जीवन पर उनकी शिक्षाओं को स्पष्ट कीजिए । 5

   "Buddha laid stress on right conduct and values." In the light of the above message, explain his teachings on life.

6. पुरातत्त्वविदों द्वारा हड़प्पा की केन्द्रीय सत्ता के लिए दिए गए विभिन्न तर्कों की व्याख्या कीजिए । 5

   Describe the different arguments given by the archaeologists over the central authority of Harappa.

अनुभाग – II
SECTION – II

निम्नलिखित में से किसी **एक** का उत्तर दीजिए : **5 × 1 = 5**

Answer any **one** of the following questions :

7. सोलहवीं और सत्रहवीं सदियों के मुगलकाल में जंगलवासियों के जीवन जीने के स्वरूप का वर्णन कीजिए । **5**
Describe the life led by the forest dwellers during the Mughal era in 16^{th}-17^{th} centuries.

8. "डोमिंगो पेस और अब्दुर रज़्ज़ाक, विजयनगर की किलेबंदी से बहुत प्रभावित थे ।" कथन की न्यायसंगत पुष्टि कीजिए । **5**
"Domingo Paes and Abdur Razzaq were highly impressed with the fortification of Vijayanagara Empire." Justify the statement.

अनुभाग – III
SECTION – III

निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : **5 × 1 = 5**

Answer any **one** of the following questions :

9. 1857 के विद्रोहियों ने अपने विचारों का प्रसार करने और लोगों को विद्रोह में शामिल होने के लिए किस तरह प्रेरित किया ? स्पष्ट कीजिए । **5**
Explain how did the rebel leaders propagate their ideas and persuade people to join the revolt of 1857.

10. ब्रिटिश सरकार की पहाड़ियों पर नियंत्रण करने की नीतियों की आलोचनात्मक परख कीजिए । **5**
Critically examine the policies adopted by the Britishers to control Paharias.

अनुभाग – IV
SECTION – IV

11. **(मूल्य आधारित प्रश्न) (Value Based Question)** **5 × 1 = 5**

(11.1) "19वीं सदी में औपनिवेशिक शहरों ने औरतों के लिए नए अवसर प्रदान किए ।" कोई दो उदाहरण दीजिए । **2 + 3 = 5**
"The colonial cities provided new opportunities for women during the 19^{th} century." Give two examples.

(11.2) किन्हीं तीन मूल्यों की व्याख्या कीजिए, जिन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रोत्साहित किया ।
Explain any three values which encouraged women for their empowerment .

खण्ड – ग
PART – C

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (Long Answer Questions) **10 × 2 = 20**

12. "राष्ट्रवाद के इतिहास में प्राय: गांधीजी को राष्ट्र निर्माण के साथ जोड़कर देखा जाता है ।" स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका का वर्णन कीजिए । **10**

अथवा

भारत के विभाजन के काल में आम लोगों के दर्दनाक अनुभवों का वर्णन कीजिए ।

"In the history of nationalism Gandhiji is often identified with the making of a nation." Describe his role in the freedom struggle of India.

OR

Describe the harrowing experiences of ordinary people during the period of partition of India.

13. 16वीं-17वीं सदियों में मुगल ग्रामीण भारतीय समाज में पंचायत की भूमिका की व्याख्या कीजिए । 10

अथवा

अकबर ने भिन्न-भिन्न नृजातीय तथा धार्मिक समुदायों में सद्भाव किस प्रकार बनाए रखा ? स्पष्ट कीजिए ।

Explain the role of Panchayats in the Mughal rural Indian society during $16^{th} - 17^{th}$ centuries.

OR

Explain how Akbar maintained harmonious relations with different ethnic and religious communities.

खण्ड – घ

PART – D

(अनुच्छेद आधारित प्रश्न) (Passage Based Questions) $8 \times 3 = 24$

निम्नलिखित अनुच्छेदों को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके अन्त में दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

14. **देहली**

दिल्ली, जिसे तत्कालीन ग्रंथों में अक्सर देहली नाम से उद्धृत किया गया था, का वर्णन इब्न बतूता इस प्रकार करता है : $2 + 3 + 3 = 8$

दिल्ली बड़े क्षेत्र में फैला घनी जनसंख्या वाला शहर है.... शहर के चारों ओर बनी प्राचीर अतुलनीय है, दीवार की चौड़ाई ग्यारह हाथ (एक हाथ लगभग 20 इंच के बराबर) है; और इसके भीतर रात्रि के पहरेदार तथा द्वारपालों के कक्ष हैं । प्राचीरों के अंदर खाद्यसामग्री, हथियार, बारूद, प्रक्षेपास्त्र तथा घेरेबंदी में काम आने वाली मशीनों के संग्रह के लिए भंडारगृह बने हुए थे.... प्राचीर के भीतरी भाग में घुड़सवार तथा पैदल सैनिक शहर के एक से दूसरे छोर तक आते-जाते हैं । प्राचीर में खिड़कियाँ बनी हैं जो शहर की ओर खुलती हैं और इन्हीं खिड़कियों के माध्यम से प्रकाश अंदर आता है । प्राचीर का निचला भाग पत्थर से बना है जबकि ऊपरी भाग ईंटों से । इसमें एक दूसरे के पास-पास बनी कई मीनारें हैं । इस शहर के अट्ठाईस द्वार हैं जिन्हें दरवाज़ा कहा जाता है, और इनमें से बदायूँ दरवाज़ा सबसे विशाल है; मांडवी दरवाज़े के भीतर एक अनाज मंडी है; गुल दरवाज़े की बगल में एक फलों का बगीचा है.... इस (देहली शहर) में एक बेहतरीन क़ब्रग्राह है जिसमें बनी क़ब्रों के ऊपर गुंबद बनाई गई है और जिन क़ब्रों पर गुंबद नहीं है उनमें निश्चित रूप से मेहराब है । क़ब्रगाह में कंदाकार चमेली तथा जंगली गुलाब जैसे फूल उगाए जाते हैं; और फूल सभी मौसमों में खिले रहते हैं ।

तुग़लक़ाबाद, दिल्ली का एक मेहराब ।

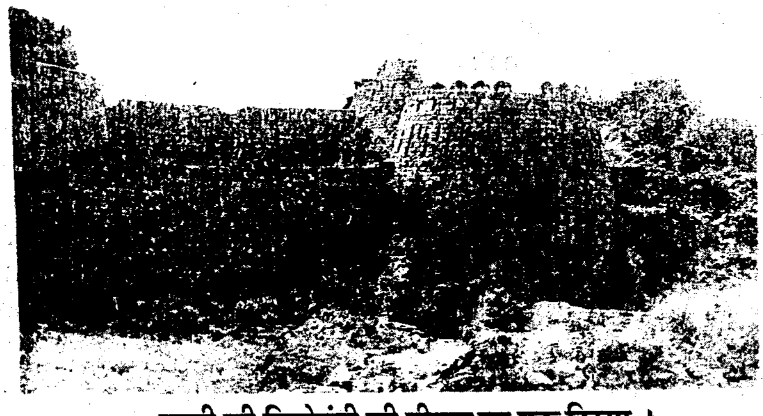

बस्ती की किलेबंदी की दीवार का एक हिस्सा ।

(14.1) इब्न-बतूता ने दिल्ली को एक बड़े शहर के रूप में क्यों वर्णन किया है ? 2

(14.2) 14वीं सदी में दिल्ली को आक्रमण से बचाने के लिए किए गए, उपायों का उल्लेख कीजिए । 3

(14.3) इब्न बतूता शहर की वास्तुशिल्पीय विशेषताओं से क्यों प्रभावित हुआ ? 3

अथवा

राजा और व्यापारी

विजयनगर के सबसे प्रसिद्ध शासक कृष्णदेव राय (शासनकाल 1509-29) ने शासनकला के विषय में अमुक्तमल्यद नामक तेलुगु भाषा में एक कृति लिखी । व्यापारियों के विषय में उसने लिखा : **3 + 3 + 2 = 8**

एक राजा को अपने बन्दरगाहों को सुधारना चाहिए और वाणिज्य को इस प्रकार प्रोत्साहित करना चाहिए कि घोड़ों, हाथियों, रत्नों, चंदन, मोती तथा अन्य वस्तुओं का खुले तौर पर आयात किया जा सके.... उसे प्रबंध करना चाहिए कि उन विदेशी नाविकों जिन्हें तूफानों, बीमारी या थकान के कारण उनके देश में उतरना पड़ता है, की भली-भाँति देखभाल की जा सके.... सुदूर देशों के व्यापारियों, जो हाथियों और अच्छे घोड़ों का आयात करते हैं, को रोज बैठक में बुलाकर, तोहफे देकर तथा उचित मुनाफे की स्वीकृति देकर अपने साथ संबद्ध करना चाहिए । ऐसा करने पर ये वस्तुएँ कभी भी तुम्हारे दुश्मनों तक नहीं पहुँचेंगी ।

(14.1) कृष्णदेव राय द्वारा उल्लेखित राजा के उत्तरदायित्वों की व्याख्या कीजिए । **3**

(14.2) कृष्णदेव राय ने वस्तुओं को अपने शत्रुओं से बचाने के लिए किस प्रकार रक्षा की ? **3**

(14.3) राजा द्वारा अपने देश की परिस्थितियों को सुधारने के लिए किए गए उपायों की व्याख्या कीजिए । **2**

Read the following extracts carefully and answer the questions that follows :

Delhi

Here is an excerpt from Ibn Battuta's account of Delhi, often spelt as Dehli in texts of the period :

The city of Dehli covers a wide area and has a large population … The rampart round the city is without parallel. The breadth of its wall is eleven cubits; and inside it are houses for the night sentry and gatekeepers. Inside the ramparts, there are store-houses for storing edibles, magazines, ammunition, ballistas and siege machines. The grains that are stored (in these ramparts) can last for a long time, without rotting … In the interior of the rampart , horseman as well as infantrymen move from one end of the city to another. The rampart is pierced through by windows which open on the side of the city, and it is through these windows that light enters inside. The lower part of the rampart is built of stone; the upper part of bricks. It has many towers close to one another. There are twenty eight gates in this city which are called darwaza, and of these, the Budaun darwaza is the greatest; inside the Mandwi darwaza there is market; adjacent to the Gul darwaza there is an orchard … It (the city of Dehli) has a fine cemetery in which graves have domes over them, and those that do not have a dome, have an arch, for sure. In the cemetery they sow flowers such as tuberose, jasmine, wild rose, etc.; and flowers blossom there in all seasons.

An arch in Tughlakabad, Delhi

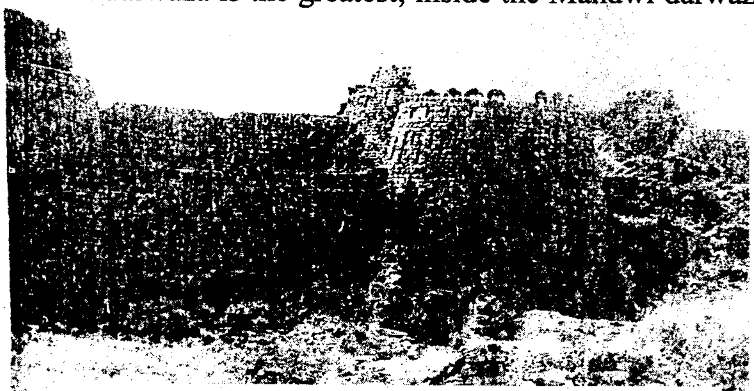

Part of the fortification wall of the settlement

(14.1) Why has Ibn Battuta described Delhi as a vast city ?

(14.2) Mention the measures taken to protect Delhi from the invasion during 14th century.

(14.3) Why was Ibn Battuta impressed with the architectural features of the city ? Explain.

OR

King and Traders

Krishnadeva Raya (ruled 1509-29), the most famous ruler of Vijayanagara, composed a work on statecraft in Telugu known as the *Amuktamalyada*. About traders he wrote : A king should improve the harbours of his country and so encourage its commerce that horses, elephants, precious gems, sandalwood, pearls and other articles are freely imported … He should arrange that the foreign sailors who land in his country on account of storms, illness and exhaustion are looked after in a suitable manner. … Make the merchants of distant foreign countries who import elephants and good horses be attached to yourself by providing them with daily audience, presents and allowing decent profits. Then those articles will never go to your enemies.

(14.1) Explain the responsibilities of king mentioned by Krishnadeva Raya.

(14.2) In what ways had Krishnadeva Raya protected articles from going to his enemies ?

(14.3) Explain the measures taken by the king to improve the conditions of his country.

15. **समाचारपत्र में छपी रिपोर्ट**

'रैयत और साहूकार' शीर्षक नामक निम्नलिखित रिपोर्ट 6 जून 1876 के 'नेटिव ओपीनियन' नामक समाचार पत्र में छपी और उसे मुंबई के नेटिव न्यूज़पेपर्स की रिपोर्ट में यथावत उद्धृत किया गया (हिंदी अनुवाद प्रस्तुत है) :

"वे (रैयत) सर्वप्रथम अपने गाँवों की सीमाओं पर यह देखने के लिए जासूसी करते हैं कि क्या कोई सरकारी अधिकारी आ रहा है और अपराधियों को समय रहते उनके आने की सूचना दे देते हैं । फिर वे एक झुंड बनाकर अपने ऋणदाताओं के घर जाते हैं और उनसे उनके ऋणपत्र और अन्य दस्तावेज़ माँगते हैं और इनकार करने पर ऋणदाताओं पर हमला करके छीन लेते हैं । यदि ऐसी किसी घटना के समय कोई सरकारी अधिकारी उन गाँवों की ओर आता हुआ दिखाई दे जाता है तो गुप्तचर अपराधियों को इसकी ख़बर पहुँचा देते हैं और अपराधी समय रहते ही तितर-बितर हो जाते हैं ।" **3 + 3 + 2 = 8**

(15.1) रैयतों ने ऋणदाताओं पर किस तरह नियंत्रण किया, वर्णन कीजिए । **3**

(15.2) रैयतों द्वारा अपने आप को बचाने के लिए किए गए उपायों की व्याख्या कीजिए । **3**

(15.3) रैयतों ने ऋणदाताओं को लूटने का सहारा क्यों लिया ? स्पष्ट कीजिए । **2**

अथवा

"हम सिर्फ नकल करने वाले नहीं हैं"

हमने एक स्वतंत्र संप्रभु गणराज्य की स्थापना का दृढ़ और पवित्र संकल्प लिया है । भारत का संप्रभु होना नियत है । इसका स्वतंत्र होना और गणराज्य होना भी स्वाभाविक है । कुछ मित्रों ने सवाल उठाया है : "आपने यहाँ 'लोकतांत्रिक' शब्द क्यों नहीं रखा ।" मैंने उन्हें कहा है कि निस्संदेह यह सोचा जा सकता है कि कोई गणराज्य लोकतांत्रिक न हो परंतु हमारा पूरा इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि हम लोकतांत्रिक संस्थानों के ही पक्षधर हैं । स्वाभाविक है कि हमारा लक्ष्य लोकतंत्र है । लोकतंत्र से कम कुछ भी नहीं । यह लोकतंत्र

कैसा होगा, उसकी शक्ल-सूरत कैसी होगी, यह एक अलग मसला है ? आज के लोकतंत्रों ने दुनिया की प्रगति में जबरदस्त भूमिका निभायी है और उनमें से बहुत सारे यूरोप तथा अन्य स्थानों के देश हैं । परंतु यह संदेहजनक हो सकता है कि अगर उन्हें पूरी तरह लोकतांत्रिक बने रहना है तो न जाने कब उन लोकतंत्रों को अपनी शक्ल-सूरत थोड़ी बहुत बदलनी पड़ती । मैं आशा करता हूँ कि किसी कथित लोकतांत्रिक देश की एक खास लोकतांत्रिक प्रणाली या किसी संस्थान विशेष की हम सिर्फ नकल करने वाले नहीं हैं । हो सकता है कि हम उससे बेहतर कुछ रच दें । बहरहाल, किसी भी सूरत में, हम यहाँ जैसी चाहे सरकार बनाएँ, वह हमारे लोगों के स्वभाव के अनुरूप और उनको स्वीकार्य ज़रूर होनी चाहिए । हम लोकतंत्र के हक में हैं । यह इस सदन को तय करना है कि इस लोकतंत्र, पूर्णतम लोकतंत्र का स्वरूप कैसा होगा । सदन इस बात को देख सकता है यद्यपि इस प्रस्ताव में हमने "लोकतांत्रिक" शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है क्योंकि हमें लगा कि यह तो स्वाभाविक ही है कि "गणराज्य" शब्द में यह शब्द पहले ही निहित होता है । इसलिए हम अनावश्यक और अनुपयोगी शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहते थे । हमने शब्दों के उपयोग मात्र से कहीं ज़्यादा ध्यान दिया है । हमने इस प्रस्ताव में लोकतंत्र की अंतर्वस्तु प्रस्तुत की है । बल्कि लोकतंत्र की ही नहीं, आर्थिक लोकतंत्र की अंतर्वस्तु प्रस्तुत की है । अन्य सदस्यों को इस बात पर आपत्ति हो सकती है कि इस प्रस्ताव में हमने भारत को एक समाजवादी राज्य बनाने का उल्लेख क्यों नहीं किया है । यहाँ मेरा केवल इतना ही कहना है कि मैं समाजवाद का समर्थक हूँ और मुझे आशा है कि एक दिन भारत भी समाजवाद के पक्ष में होगा और वही भारत एक समाजवादी राज्य की स्थापना के मार्ग पर चलेगा और मुझे पूरा विश्वास है कि एक दिन पूरी दुनिया को इसी मार्ग पर चलना होगा ।

– ***संविधान सभा बहस, खंड 1*** **2 + 3 + 3 = 8**

(15.1) नेहरू ने प्रस्ताव में 'लोकतांत्रिक' शब्द का प्रयोग क्यों नहीं किया ? **2**

(15.2) ऊपर अनुच्छेद में दी गईं संविधान की तीन मूल-भूत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । **3**

(15.3) नेहरू ने किस प्रकार की समाजवादी व्यवस्था पर बल दिया ? **3**

A News Paper Report

The following report, titled 'The ryot and the moneylender', appeared in the Native Opinion (6 June, 1876), and was quoted in Report of the Native Newspapers of Bombay :

They (the ryots) first place spies on the boundaries of their villages to see if any Government officers come, and to give timely intimation of their arrival to the offenders. They then assemble in a body and go to the houses of their creditors, and demand from them a surrender of their bonds and other documents, and threaten them in case of refusal with assault and plunder. If any Government officer happens to approach the villages where the above is taking place, the spies give intimation to the offenders and the latter disperse in time.

(15.1) Describe how ryots took control over the moneylenders.

(15.2) Explain the measures taken by the ryots to save themselves.

(15.3) Explain why ryots resorted to robbing the moneylenders.

OR

'We are not just going to copy'

We say that it is our firm and solemn resolve to have an independent sovereign republic. India is bound to be sovereign, it is bound to be independent and it is bound to be a republic … Now, some friends have raised the question : "Why have you not put in the word 'democratic' here. ?" Well, I told them that it is conceivable, of course,

that a republic may not be democratic but the whole of our past is witness to this fact that we stand for democratic institutions. Obviously we are aiming at democracy and nothing less than a democracy. What form of democracy, what shape it might take is another matter. The democracies of the present day, many of them in Europe and elsewhere, have played a great part in the world's progress. Yet it may be doubtful if those democracies may not have to change their shape somewhat before long if they have to remain completely democratic. We are not going just to copy, I hope, a certain democratic procedure or an institution of a so-called democratic country. We may improve upon it. In any event whatever system of government we may establish here must fit in with the temper of our people and be acceptable to them. We stand for democracy. It will be for this House to determine what shape to give to that democracy, the fullest democracy, I hope. The House will notice that in this Resolution, although we have not used the word "democratic" because we thought it is obvious that the word "republic" contains that word and we did not want to use unnecessary words and redundant words, but we have done something much more than using the word. We have given the content of democracy in this Resolution and not only the content of democracy but the content, if I may say so, of economic democracy in this Resolution. Others might take objection to this Resolution on the ground that we have not said that it should be a Socialist State. Well, I stand for Socialism and, I hope, India will stand for Socialism and that India will go towards the Constitution of a Socialist State and I do believe that the whole world will have to go that way. – ***Constituent Assembly Debates (Cad), Vol.I***

(15.1) Explain why Nehru did not mention the word democratic in the resolution.

(15.2) Mention the three basic features of the Constitution given in the above passage.

(15.3) On what kind of socialism did Nehru give stress to ?

16. **समुद्रगुप्त की प्रशस्ति** **3 + 3 + 2 = 8**

यह *प्रयाग प्रशस्ति* का एक अंश है :

धरती पर उनका कोई प्रतिद्वंद्वी नही था । अनेक गुणों और शुभकार्यों से संपन्न उन्होंने अपने पैर के तलवे से अन्य राजाओं के यश को मिटा दिया है । वे परमात्मा पुरुष हैं, साधु (भले) की समृद्धि और असाधु (बुरे) के विनाश के कारण हैं । वे अज्ञेय हैं । उनके कोमल हृदय को भक्ति और विनय से ही वश में किया जा सकता है । वे करुणा से भरे हुए हैं । वे अनेक सहस्र गायों के दाता हैं । उनके मस्तिष्क की दीक्षा दीन-दुखियों, विरहिणियों और पीड़ितों के उद्धार के लिए की गई है । वे मानवता के लिए दिव्यमान उदारता की प्रतिमूर्ति हैं । वे देवताओं में कुबेर (धन-देव), वरुण (समुद्र-देव), इंद्र (वर्षा के देवता) और यम (मृत्यु-देव) के तुल्य हैं ।

(16.1) यह प्रशस्ति किसने लिखी ? प्रशस्ति के महत्त्व का उल्लेख कीजिए । **1 + 2 = 3**

(16.2) अनुच्छेद में बताए गए राजा के किन्हीं तीन गुणों का उल्लेख कीजिए । **3**

(16.3) राजा द्वारा प्रदर्शित मूल्य आज के समकालीन समाज में कहाँ तक उपयुक्त हैं ? स्पष्ट कीजिए । **2**

अथवा

स्वजन के मध्य लड़ाई क्यों हुई ?

यह उद्धरण संस्कृत महाभारत के आदिपर्वन् (प्रथम अध्याय) से है और कौरव पांडव के बीच हुए संघर्ष का चित्रण करता है : **3 + 2 + 3 = 8**

कौरव..... धृतराष्ट्र के पुत्र थे और पांडव उनके बांधव जन थे । चूँकि धृतराष्ट्र नेत्रहीन थे अत: उनके अनुज पांडु हस्तिनापुर के सिंहासन पर आसीन हुए.... किंतु पांडु की असामयिक मृत्यु के बाद धृतराष्ट्र राजा बने, क्योंकि सभी राजकुमार अल्पवयस्क थे । जैसे-जैसे राजकुमार बड़े हुए हस्तिनापुर के नागरिक पांडवों के प्रति अपनी अभिरुचि व्यक्त करने लगे क्योंकि वे कौरवों के मुकाबले अधिक योग्य और सदाचारी थे । इस बात से कौरवों में ज्येष्ठ, दुर्योधन को बहुत ईर्ष्या हुई । वह अपने पिता के पास गया और बोला, "हे भूपति, अपूर्णता के कारण आपको सिंहासन पर बैठने का अधिकार नहीं था हालाँकि यह आपको प्राप्त हो गया । यदि पांडव पांडु से यह विरासत प्राप्त करते हैं तो उनके बाद उनके पुत्र, पौत्र और फिर प्रपौत्र इस पैतृक संपत्ति के अधिकारी हो जाएँगे और हम तथा हमारे पुत्र इस राज्य के उत्तराधिकार से बेदखल होकर संसार में क्षुद्र समझे जाएँगे ।"

(16.1) दुर्योधन ने पिता से चिन्ताओं को किस प्रकार अभिव्यक्त किया ? स्पष्ट कीजिए । **3**

(16.2) अनुच्छेद में राजा बनने के लिए सुझाए गए मानदण्ड का उल्लेख कीजिए । **2**

(16.3) हस्तिनापुर के नागरिकों ने पांडवों के प्रति अपनी प्राथमिकता क्यों व्यक्ति की ? **3**

Samudragupta

In praise of Samudragupta

This is an excerpt from the *Prayaga Prashasti* :

He was without an antagonist on earth; he, by the overflowing of the multitude of (his) many good qualities adorned by hundreds of good actions, has wiped off the fame of other kings with the soles of (his) feet; (he is) *Purusha* (the Supreme Being), being the cause of the prosperity of the good and the destruction of the bad (he is) incomprehensible; (he is) one whose tender heart can be captured only by devotion and humility; (he is) possessed of compassion; (he is) the giver of many hundred-thousands of cows; (his) mind has received ceremonial initiation for the uplift of the miserable, the poor, the forlorn and the suffering; (he is) resplendent and embodied kindness to mankind; (he is) equal to (the gods) Kubera (the god of wealth), Varuna (the god of the ocean), Indra (the god of rains) and Yama (the god of death)...

(16.1) Who wrote the above Prashasti ? State the importance of Prashasti.

(16.2) Mention any three qualities of the ruler described in the excerpt.

(16.3) How far are these values, shown by the rulers, relevant in the contemporary society ? Explain.

OR

Why kinfolk quarreled

This is an excerpt from the Adi Parvan (literally, the first section) of the Sanskrit Mahabharata, describing why conflicts arose amongst the Kauravas and Pandavas : The Kauravas were the … sons of Dhritarashtra, and the Pandavas … were their cousins. Since Dhritarashtra was blind, his younger brother Pandu ascended the throne of Hastinapura … However, after the premature death of Pandu, Dhritarashtra became king, as the royal princes were still very young. As the princes grew up together, the citizens of Hastinapura began to express their preference for the Pandavas, for they were more capable and virtuous than the Kauravas. This made Duryodhana, the eldest of the Kauravas, jealous. He approached his father and said; "You yourself did not receive the throne, although it fell to you, because of your defect. If the Pandava receives the patrimony from Pandu, his son will surely inherit it in turn, and so will his son, and his. We ourselves with our sons shall be excluded from the royal succession and become of slight regard in the eyes of the world, lord of the earth !"

(16.1) Explain about the worries of Duryodhana that he expressed to his father.
(16.2) Mention the criteria for becoming king as suggested in the excerpt.
(16.3) Why did the citizens of Hastinapur express their preference for the Pandavas ?

खण्ड – ङ

PART – E

17. **(मानचित्र प्रश्न)**

(Map Question)

(17.1) भारत के दिए हुए राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर निम्नलिखित को अंकित कीजिए और उनके नाम लिखिए : **2**
(क) धौलावीरा
(ख) लुम्बिनी

(17.2) भारत के दिए गए उसी राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महत्त्वपूर्ण केन्द्र 1, 2 और 3 अंकित किए गए हैं । उन्हें पहचानिए तथा उनके सही नाम उनके समीप खिंची गई रेखाओं पर लिखिए । **3**

(17.1) On the Political outline map of India, locate and label the following :
(a) Dholavira
(b) Lumbini

(17.2) On the same outline map of India three places related to the Indian National Movement have been marked as 1, 2 and 3. Identify them and write their correct names on the lines drawn near them.

नोट : निम्नलिखित प्रश्न **केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों** के लिए मानचित्र प्रश्न सं. **17** के स्थान पर है : **2 + 3 = 5**

(17.1) किन्हीं दो विकसित हड़प्पा पुरास्थलों का उल्लेख कीजिए । **2**

(17.2) भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन से सम्बन्धित किन्हीं तीन महत्त्वपूर्ण स्थानों का उल्लेख कीजिए । **3**

Note : The following questions are only for the **Visually Impaired Candidates** in lieu of the Map Question No. **17 :**

(17.1) Mention any two mature Harappan sites.

(17.2) Mention names of any three important places related to Indian National Movement.

प्रश्न सं. 17.1 एवं 17.2 के लिए मानचित्र

Map for Q. No. 17.1 and 17.2

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)

Outline Map of India (Political)

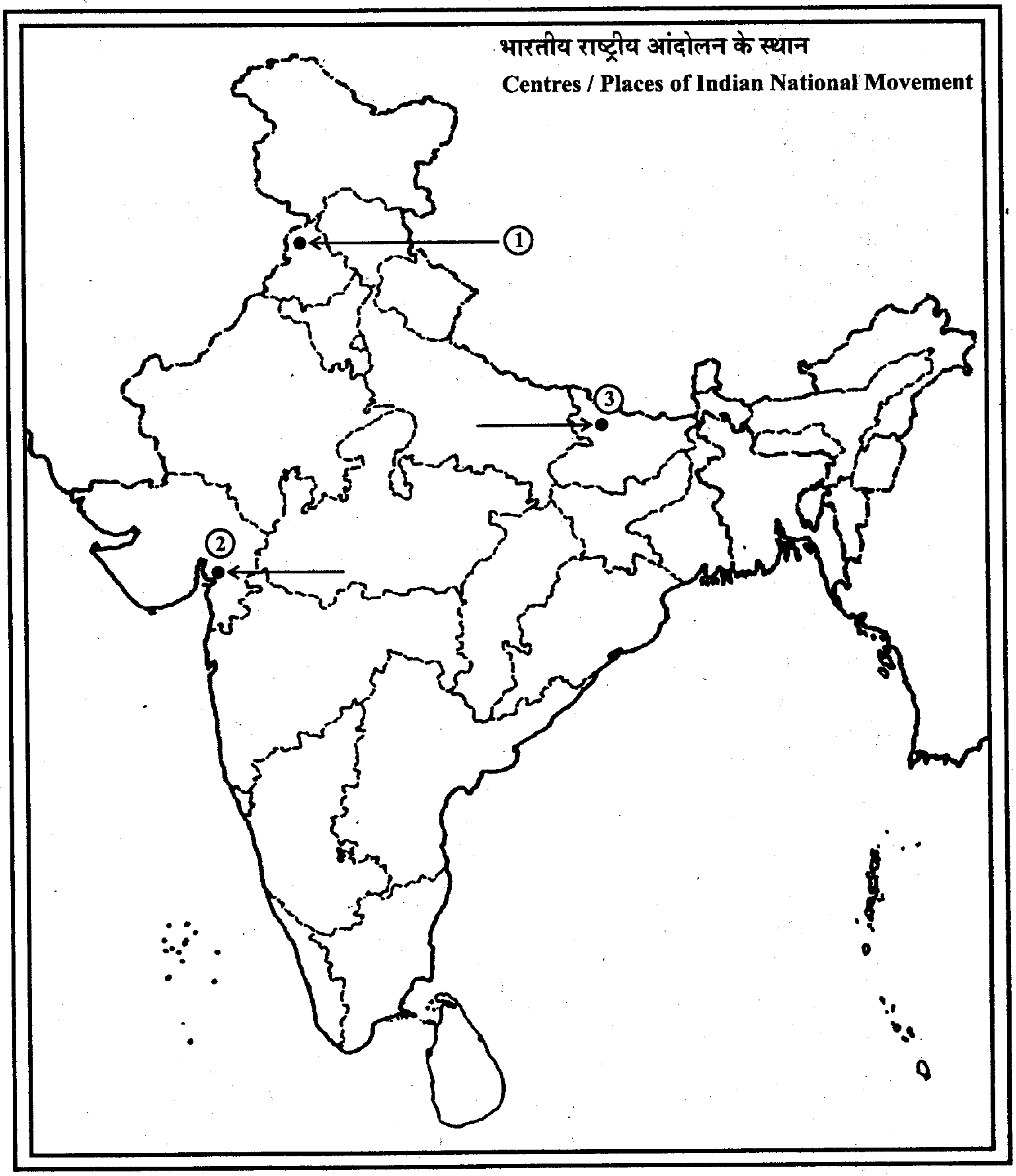

यहाँ से काटें ---- Cut Here ---- यहाँ से काटें ---- Cut Here